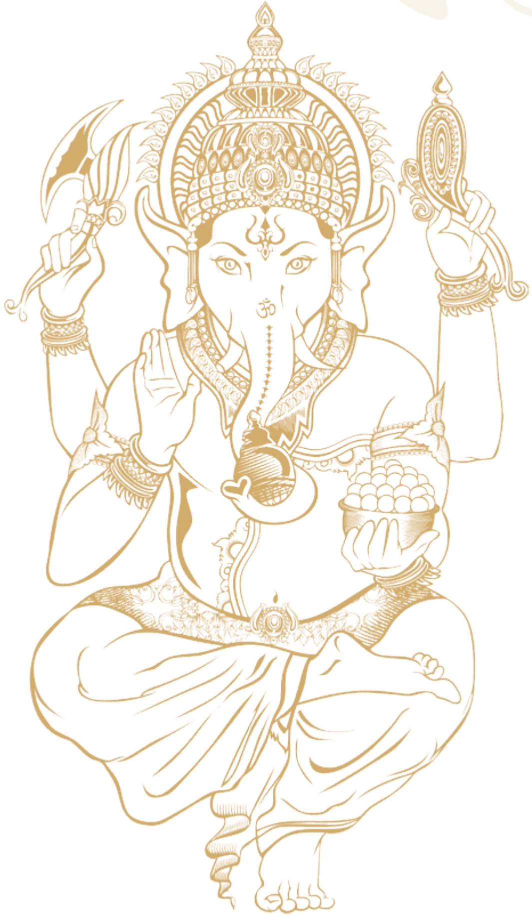

Sonal Daudiya

03 Oct 1983

05:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120410909

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**2-03/10/1983**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	58:09:10 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:24 घंटे
साम्पातिक काल	05:53:25 घंटे
सूर्योदय	06:14:20 घंटे
सूर्यास्त	18:06:40 घंटे
दिनमान	11:52:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:35:15 कन्या
लग्न के अंश	04:55:10 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	साध्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डौली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:55:10	318:05:17	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कन्या	15:35:15	00:59:04	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			कर्क	27:36:36	14:42:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			सिंह	08:13:59	00:37:13	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			सिंह	27:53:58	01:10:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	13:22:24	00:09:53	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	04:43:56	00:33:04	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			तुला	10:16:21	00:06:48	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		वृष	25:03:21	00:06:50	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	25:03:21	00:06:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	12:28:37	00:02:24	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
नेप			धनु	03:00:11	00:00:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	05:01:28	00:02:19	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
दशम भाव			मिथु	04:51:34	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:31

लग्न-चलित

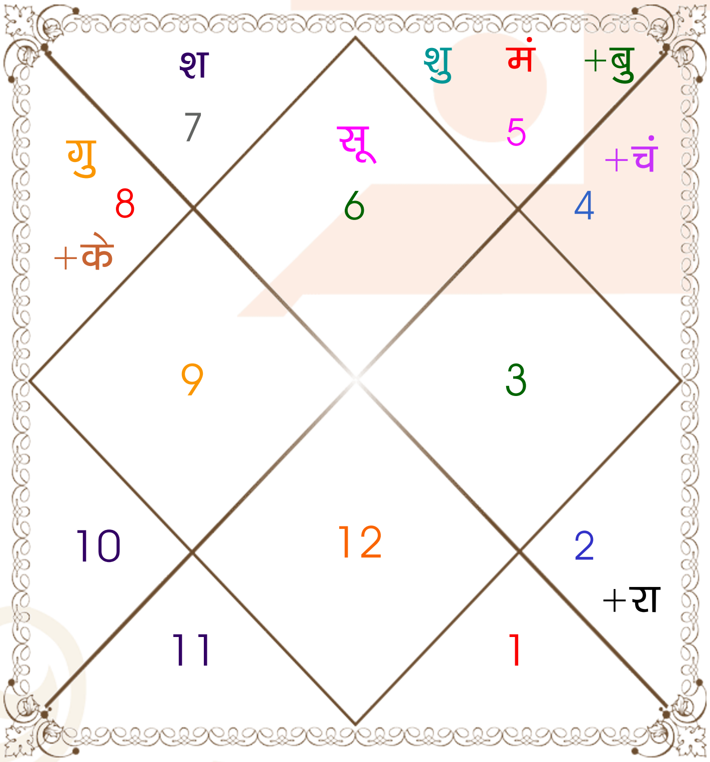

चन्द्र कुंडली

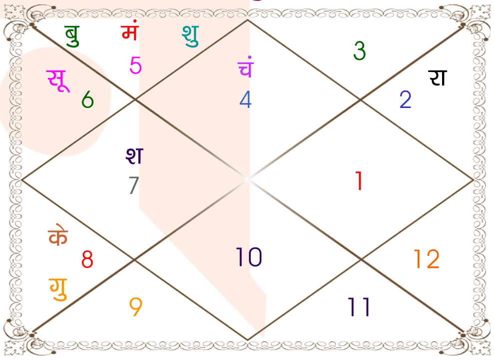

नवमांश कुंडली

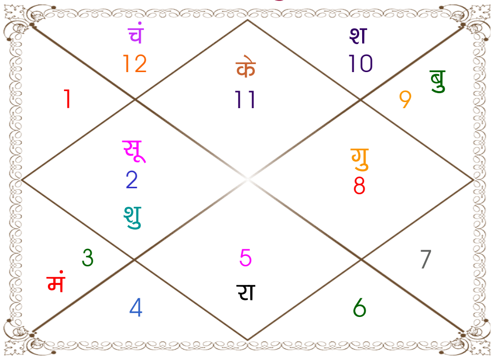

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 0 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/10/1983		20/10/1986		19/10/1993		19/10/2013		20/10/2019	
20/10/1986		19/10/1993		19/10/2013		20/10/2019		19/10/2029	
	00/00/0000	केतु	18/03/1987	शुक्र	18/02/1997	सूर्य	06/02/2014	चंद्र	19/08/2020
	00/00/0000	शुक्र	17/05/1988	सूर्य	18/02/1998	चंद्र	08/08/2014	मंगल	20/03/2021
	00/00/0000	सूर्य	22/09/1988	चंद्र	20/10/1999	मंगल	14/12/2014	राहु	19/09/2022
	00/00/0000	चंद्र	23/04/1989	मंगल	19/12/2000	राहु	07/11/2015	गुरु	19/01/2024
	00/00/0000	मंगल	19/09/1989	राहु	20/12/2003	गुरु	25/08/2016	शनि	20/08/2025
	00/00/0000	राहु	08/10/1990	गुरु	20/08/2006	शनि	07/08/2017	बुध	19/01/2027
	03/10/1983	गुरु	13/09/1991	शनि	19/10/2009	बुध	14/06/2018	केतु	20/08/2027
गुरु	10/02/1984	शनि	22/10/1992	बुध	19/08/2012	केतु	20/10/2018	शुक्र	20/04/2029
शनि	20/10/1986	बुध	19/10/1993	केतु	19/10/2013	शुक्र	20/10/2019	सूर्य	19/10/2029

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/10/2029		19/10/2036		20/10/2054		20/10/2070		19/10/2089	
19/10/2036		20/10/2054		20/10/2070		19/10/2089		00/00/0000	
मंगल	18/03/2030	राहु	02/07/2039	गुरु	07/12/2056	शनि	23/10/2073	बुध	17/03/2092
राहु	05/04/2031	गुरु	25/11/2041	शनि	20/06/2059	बुध	02/07/2076	केतु	14/03/2093
गुरु	11/03/2032	शनि	01/10/2044	बुध	25/09/2061	केतु	10/08/2077	शुक्र	13/01/2096
शनि	20/04/2033	बुध	20/04/2047	केतु	01/09/2062	शुक्र	10/10/2080	सूर्य	19/11/2096
बुध	17/04/2034	केतु	08/05/2048	शुक्र	02/05/2065	सूर्य	22/09/2081	चंद्र	20/04/2098
केतु	13/09/2034	शुक्र	09/05/2051	सूर्य	18/02/2066	चंद्र	23/04/2083	मंगल	17/04/2099
शुक्र	13/11/2035	सूर्य	01/04/2052	चंद्र	20/06/2067	मंगल	01/06/2084	राहु	05/11/2101
सूर्य	20/03/2036	चंद्र	01/10/2053	मंगल	26/05/2068	राहु	08/04/2087	गुरु	04/10/2103
चंद्र	19/10/2036	मंगल	20/10/2054	राहु	20/10/2070	गुरु	19/10/2089		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 0 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।